an>

Title: Need to waive loans of farmers in Banda Chitrakoot region of Uttar Pradesh.

श्री भैरों प्रसाद मिश्र (बांदा) : माननीय सभापति जी, बुंदेलखंड पिछले पांच-छः वर्षों से दैवी आपदाओं से ग्रस्त है। मेरा संसदीय क्षेत्र बुंदेलखंड में आता है, लगातार कई वर्षों से इन समस्याओं से जूझ रहा है। मेरे संसदीय क्षेत्र बांदा चित्रकूट में पिछले वर्ष अत्यधिक बारिश व ओले के कारण फसल खराब हो गई थी। इस बार समय से वर्षा न होने के कारण धान के बेड़ नहीं लग पा रहे हैं और खेत सूने पड़े हैं। पिछले वर्ष और इस वर्ष भी अच्छी फसल होने की आशा में तमाम किसानों ने बैंकों से कर्ज ले रखा था। इस तरह वे कर्ज के बोझ से दब रहे हैं। फसल बर्बाद होने के कारण भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। हताश किसान और उनके परिवार आत्महत्या करने को मजबूर हैं। बांदा चित्रकूट संसदीय क्षेत्र में भूख से परेशान जनता रोजी रोटी की तलाश में बाहर पलायन कर रही है। प्रतिदिन बसों में भरकर लोग बाहर जा रहे हैं और गांव के गांव वीरान हो गए हैं। घरों में ताले पड़े हैं। पशुओं को पर्याप्त चारा न मिलने के कारण या तो वे भूख से मर रहे हैं या उनको पकड़कर कत्लखानों में भेजा जा रहा है। मैं आपके माध्यम से इस लोक महत्व के विषय पर सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए सरकार से मांग करता हूं कि बुंदेलखंड के अति पिछड़े हुए क्षेत्र बांदा चित्रकूट में उद्योग स्थापित किए जाएं ताकि ग्रामीणों का पलायन रोका जा सके ताकि श्रम शक्ति का उपयोग हो सके, उनको रोजगार मिल सके। किसान के हित में यह भी आवश्यक है कि भारत सरकार हताश और परेशान किसानों को भारी कर्ज के बोझ से राहत देने के लिए ब्याज माफी की घोषणा करे और उनके खेतों की पर्याप्त की सिंचाई की व्यवस्था करे।